

13.11.17

पत्रावली पत्रावली उमम पुष्प
 अमिभाषक अमुप विगत है ।
 वही अमीछार व एमं अपीछार
 को कंक - कंक फल की छवि को
 रिच्छाई वाई उकी को त
 कोई उप विगत नही । पत्रावली
 कल हाजरी एवं अल्लु पुष्प
 के प्राचीन की जाती है ।
 पत्रावली के सके सुका लच्छा
 वाकिरु हप्त है । वरु
 एं कंक है ।

श्री-प्रबन्ध अधिकारी
 एवं वरुण राज्य वपीय अधिकारी
 बरुणपुर (राज.)